# गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ज्वैलर को धमकी देकर पांच करोड़ रुपये मांगे

## रुपये नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी, ज्वैलर ने नया शहर थाने में परिवाद देकर एफआईआर दर्ज करवाई

**बीकानेर,** (निसं)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने बीकानेर के एक बड़े ज्वैलर से पांच करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। रुपए नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी है। धमकी के बाद ज्वेलर ने नयाशहर थाने में परिवाद देकर एफआईआर दर्ज करवाई है।

जानकारी अनुसार बीकानेर के एक ज्वेलरी शोरूम पर फोन आया। फोन पर बदमाश ने कहा कि वह शोरूम मालिक के पहचान वाला है, इसलिए उनके वॉट्सऐप नंबर दे। शोरूम पर बैठे कर्मचारी ने नंबर दे दिए। इसके बाद दोपहर 2 बजे ज्वेलर के पास फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को गैंगस्टर रोहित गोदारा बताते हुए पांच करोड़ रुपए की डिमांड रखी। इस पर ज्वैलर ने कहा कि मेरे पास इतने रुपए नहीं हैं, बल्कि मैंने बैंक से 20 करोड़ रुपए का कर्ज ले रखा है। रोहित गोदारा ने धमकी दी कि बुधवार शाम तक अगर उसे सही जवाब नहीं दिया तो गोली मार देगा। इससे बैंक का कर्जा भी नहीं चुकाना पड़ेगा। इतना ही नहीं, रोहित गोदारा ने ये भी कहा कि वो चाहे तो दूसरे मोबाइल से इसकी रिकॉर्डिंग करके पुलिस में एफआईआर भी करवा देना।

पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि छानबीन की जा रही है। वैसे रोहित गोदारा के अधिकांश साथी पुलिस की निगरानी में हैं। गिरफ्तार करके अंदर भी डाले गए हैं।

■ **रोहित गोदारा ने धमकी दी कि बुधवार शाम तक अगर उसे सही जवाब नहीं दिया तो गोली मार देगा। इससे बैंक का कर्जा भी नहीं चुकाना पड़ेगा**

पुलिस को दी शिकायत में ज्वेलर ने बताया कि खुद को रोहित गोदारा बताने वाले ने ये भी दावा किया कि बीकानेर में मेरे दो हजार लोग हैं। कभी कोई दिक्कत हुई तो ये लोग उसकी मदद करेंगे। बीकानेर पुलिस उसके गुर्गों पर भी नजर रखे हुए है।

रोहित गोदारा विदेश में बैठकर गैंग ऑपरेट कर रहा है। बीकानेर में लूणकरणसर के रहने वाले गैंगस्टर रोहित गोदारा के खिलाफ रंगदारी वसूली के लिए धमकाने के दर्जनों मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी हो चुका है। एक लाख रुपए का इनाम भी घोषित है।

रेड कॉर्नर नोटिस को रेड नोटिस भी कहा जाता है। अगर इस बात की आशंका हो कि कोई भी अपराधी या आरोपी जांच एजेंसी से बचने के लिए दूसरे देश में भाग सकता है तो यह नोटिस ऐसे अपराधी के बारे में दूसरे देश की पुलिस को सचेत करता है। इंटरपोल के जरिए ही यह नोटिस जारी होता है।

राजू ठेहट की हत्या के मामले में गैंगस्टर रोहित गोदारा का नाम सामने आया था। उसके नाम से एक फेसबुक पोस्ट भी की गई थी। इस पोस्ट में राजू ठेहट की हत्या की जिम्मेदारी ली गई थी। बीकानेर पुलिस पिछले दिनों रोहित के नाम से सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर चुकी है। रोहित गोदारा फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है।

# भू-अभिलेख निरीक्षक 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

## जोधपुर-ग्रामीण एसीबी टीम ने आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी ली

**बालोतरा,** (निसं)। बालोतरा में जोधपुर-ग्रामीण एसीबी टीम ने बुधवार को भू-अभिलेख निरीक्षक को 50 हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर उनके आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी ली। बालोतरा मंडली में बुधवार ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर-ग्रामीण इकाई ने बालोतरा में कार्यवाही करते हुये गजाराम, भू-अभिलेख निरीक्षक मण्डली, तहसील कल्याणपुर, जिला बाडमेर को परिवादी से 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपी भू-अभिलेख निरीक्षक।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर-ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि खातेदारी भूमि की तरमीम में संशोधन करने की एवज में गजाराम, भू-अभिलेख निरीक्षक मण्डली, तहसील कल्याणपुर, जिला बाडमेर द्वारा 5 लाख रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस हरेन्द्र महावर के सुपरवीजन में एसीबी जोधपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के निर्देशन में

■ **खातेदारी भूमि की तरमीम में संशोधन करने की एवज में 5 लाख रूपये रिश्वत राशि मांगी थी**

शिकायत का सत्यापन किया जाकर अनु चौधरी, पुलिस निरीक्षक मय टीम के बाडमेर में ट्रेप कार्यवाही करते हुये गजाराम पुत्र चुतरपुरा, तहसील शेरगढ, जिला जोधपुर हाल भू-अभिलेख निरीक्षक मण्डली, तहसील कल्याणपुर, जिला बाडमेर को परिवादी से 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेंगा।

## करोड़ों की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। फर्जी कंपनी के जरिए निवेशकों से करोड़ों की ठगी करने के मामले में एसआईटी की टीम ने अपेक्षा ग्रुप के एक और डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। एसआईटी की टीम ने संभागीय आयुक्त कार्यालय में तैनात सहायक प्रशासनिक अधिकारी चेतन स्वरूप नामा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को रिमांड पर भेज दिया है। चेतन नामा मूल रूप से बूंदी के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का निवासी है और वर्तमान में विदांता अपार्टमेंट महावीर नगर इलाके में रहता है। वह 2013 में अपेक्षा ग्रुप से जुड़ा हुआ है। उसने अपनी पत्नी बृजेश नामा को अपेक्षा ग्रुप कंपनी की डायरेक्टर बना रखा था। जून 2020 तक 35 निवेशकों से अपेक्षा ग्रुप की कंपनियों में एक करोड़ 56 लाख 39 हजार का निवेश करवाया। अपेक्षा ग्रुप द्वारा ठगी के मामले में अब तक सीएमडी मुरली मनोहर नामदेव से 23 सक्रिय डायरेक्टर और सदस्य को एसआईटी गिरफ्तार कर चुकी है। मामले के अनुसार अपेक्षा ग्रुप का निर्देशक मुरली मनोहर नामदेव बारह का निवासी है इसमें रकम दोगुनी करने का झांसा देकर कंपनी में कई लोगों को डायरेक्टर बनाया।

# राशन वितरण करने को लेकर विवाद में युवक की हत्या

## युवक की हत्या का आरोप राशन डीलर पर लगाया

**करौली,** (निसं)। जिला मुख्यालय समीप मासलपुर थाना क्षेत्र के टटवाई गांव में राशन वितरण करने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या हो गई। युवक की हत्या का आरोप राशन डीलर पर लगाया है। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश में जुटी है।

मासलपुर थानाधिकारी परसोत्तम ने बताया कि देशराज पुत्र अमान जाटव निवासी छाबर टटवाई गांव में राशन डीलर है। बताया कि आरोपी टटवाई गांव में राशन वितरण का काम कर रहा था। इस दौरान मृतक जितेंद्र पुत्र महेंद्र निवासी टटवाई दुकान पर आया और बिनेगा गांव के लोगों को राशन वितरण का विरोध करने लगा। इस दौरान राशन डीलर और युवक में कहासुनी हो गई। कहासुनी में आरोपी राशन डीलर देशराज ने जितेंद्र को धक्का मार दिया। जितेंद्र का सिर एक पाटौर पोश मकान से जाकर टकराया और गंभीर रूप से घायल हो गया घायल को परिजन और आसपास मौजूद लोग करौली हॉस्पिटल लेकर पहुंचे जहां डॉ. ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर मासलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया तथा लोगों से घटनाक्रम की जानकारी ली। करौली हॉस्पिटल में मृतक का पोस्टमार्टम कराया घटना स्थल पर पुलिस तैनात है पुलिस टीम गठित कर आरोपी डीलर की तलाश में जुटी है। थाना अधिकारी ने बताया कि मृतक के भाई सुनील ने एफ आई आर दर्ज कराई है। एफआईआर में बताया कि राशन डीलर देशराज ने उसके भाई की मारपीट कर हत्या कर दी।

## ट्रक ने युवक के पैरों को कुचला

**कोटा,** (निसं)। शहर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मारते हुए उसके पैरों को कुचल देते हुए निकल गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने घायल की सार संभाल की और फिर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल युवक का उपचार जारी है।

घटना मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वहीं ट्रक ड्राइवर को भी पकड लिया गया है। ट्रक ड्राइवर नशे में धुत बताया जा रहा है। घटना आनंदपुरा थाना इलाके की है।जानकारी के अनुसार व्यापारी गुड्डू बाइक पर सुबह घर से निकले थे। 9.00 बजे करीब एमबीएस रोड पर नए बने बस स्टैंड के सामने तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी एक्सीडेंट होते ही बाइक दूर जा गिरी और गुड्डू ट्रक की चपेट में आ गए और कुछ दूर तक ट्रक उन्हें घटता हुआ ले गया फिर पैरों को कुचलते हुए निकल गया। इसके बाद भी चालक ने ट्रक को भगाना बंद नहीं किया। हादसे के पश्चात मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई तथा उन्होंने गुड्डू के घर वालों को सोचना दी। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रक चालक को डिटेन कर लिया गया है वह नशे में धुत था।

# जम्मू-कश्मीर के दो नशा तस्करों को अजमेर में दबोचा

## सेंट्रल आई बी व राजस्थान पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

**अजमेर,** (कासं)। जम्मू कश्मीर पुलिस की सूचना के आधार पर सेंट्रल आई बी और राजस्थान पुलिस में एक संयुक्त कार्रवाई को अंजाम देते हुए कश्मीर के दो कुख्यात नशा तस्करों को अजमेर में दबोचा है। मिल रही जानकारी के अनुसार पूरा मामला पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए सप्लाई की गई 90 किलो हेरोइन नशे की खेप से जुड़ा हुआ है। अजमेर पुलिस द्वारा पकड़े गए दो तस्करों को हिरासत में लेकर आज मजिस्ट्रेट के आवास पर पेश कर ट्रांसिट रिमांड पर लिया है, दोनों आरोपी इरशाद और यासीन को लेकर जम्मू कश्मीर पुलिस कश्मीर के लिये रवाना हुई।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी मोहम्मद यासीन और मोहम्मद इरशाद कश्मीर के पुंछ इलाके की देगदार गांव के रहने वाले हैं दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी कश्मीर में एनडीपीएस एक्ट के कई मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। इन दोनों आरोपियों के संबंध में कश्मीर पुलिस ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को सूचना दी थी और उसके बाद दिल्ली से रवाना हुई आईबी की टीम ने अजमेर की गंज थाना पुलिस को साथ में लेकर कार्रवाई को अंजाम दिया। दोनों आरोपी 1 दिन पहले ही अजमेर पहुंचे थे और गंज थाना इलाके के होटल कृष्णा में रुके हुए थे। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले की सूचना कश्मीर पुलिस को दे दी गई है। मिल रही जानकारी के अनुसार कश्मीर पुलिस का एक दल दोनों आरोपियों को अपने साथ ले जाने के लिए कश्मीर से अजमेर के लिए रवाना हो चुका है। इन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब अजमेर पुलिस भी सतर्क हो गई है और इनके स्थानीय संबंधों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से मोहम्मद यासीन इससे पहले भी एक बार अजमेर आ चुका है।

■ **अजमेर के गंज पुलिस थाना क्षेत्र की एक होटल में देर रात की दबिश**

■ **मामला पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए सप्लाई की गई 90 किलो हेरोइन से जुड़ा बताया**

उल्लेखनीय है कि अजमेर का गंज पुलिस थाना सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह इलाके के नजदीक ही आता है। विगत कई वर्षों से ड्रग्स तस्कर दरगाह और उसके आसपास के इलाकों में बनी होटलों में छद्म भेष में आकर रुकते हैं और दरगाह के जायरीन बन कर क्षेत्र में खुले आम घूमते है। पूर्व में भी अजमेर और दरगाह से जुड़े लोगों के ड्रग्स तस्करों से संबंध उजागर हो चुके हैं। पुलिस ने अनेक बार अभियान चलाकर ड्रग्स लेने और देने वालों को इस इलाके से दबोचा भी है किन्तु यह कार्रवाई निचले स्तर पर ही होकर रह जाती है। जबकि अजमेर का दरगाह इलाका ड्रग्स कारोबार से जुड़े माफिया का ट्रांजिट पाइंट भी बना हुआ है।

# फूफा ने मासूम को उतारा मौत के घाट

## मोबाईल चलाने की जिद पर उतारा मौत के घाट

**बूंदी,** (निसं)। हिंडोली थाना क्षेत्र के पपराला गांव में मंगलवार दोपहर रिश्तो को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। पपराला निवासी आरोपी फूफा रमेश ने अपने साले दुर्गालाल के 13 वर्षीय पुत्र विकास को बुरी तरह पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

छाजेला खेड़ा गांव निवासी दुर्गालाल ने बताया की मंगलवार शाम उसका जीजा रमेश और बहिन जनता ने दूरभाष पर सूचना दी की विकास की अचानक तबीयत बिगड़ गई और उल्टी होने के बाद उसकी मृत्यु हो गई। हम उसे गांव लेकर आ रहे है तुम अंतिम संस्कार की तैयारी करो। जब विकास के शव को गांव लाया गया तब शाम हो चुकी थी, परिवार में शव देख कोहराम मचा हुआ था। सभी परिवारजन जल्द से जल्द अंतिम संस्कार करने की तैयारी में जुट गई। अर्थी को लेकर श्मशान घाट पहुंचने के बाद चिता पर रख अंतिम संस्कार की क्रिया प्रारंभ हुई। जैसे ही बालक के शरीर पर घी लगाने लगे तो परिवारजनों की नजर बच्चे के हाथ पैरो पर लगी चोटों पर गयी इस पर पिता को संदेह हुआ कि विकास के साथ कुछ अनहोनी घटना घटित हुई है।

शव को कपड़े फाड़कर देखे तो पूरे शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। परिजनों ने पुलिस को तत्काल इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर हिंडोली पुलिस मय जाप्ता शमशान घाट पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में लाकर रखा। सब इंस्पेक्टर सूरजमल ने बताया कि मृतक के पिता ने रिपोर्ट दी है कि उसके पुत्र को मार मारकर मौत के घाट उतारा गया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं, हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। जल्द ही अपराधी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विनोद जब 5 वर्ष का था तभी से वह अपनी बुआ और फूफा के पास रहकर पढ़ ाई कर रहा था। अपनी दो बहिनो में सबसे बड़ा भाई बुआ का इतना लाड़ला था कि वह गर्मी की छुट्टियों में भी बुआ के यहां ही रहा करता था। उसकी दोनों बहिने मां बाप के पास ही रहती थी।

परिवारजनो को कहना है कि मंगलवार दोपहर को विनोद ने अपने आरोपी फूफा रमेश से मोबाईल मांगा तो फूफा ने देने से इंकार कर दिया, विनोद कुछ देर मोबाईल पर खेलने की जिद करने लगा, यह जिद फूफा को नागवार गुजरी और उसने विनोद के साथ बूरी तरह मारपीट की जिसमें विनोद की मौत हो गई। मारपीट के बाद शव को नहला धुलाकर नए कपड़े पहना कर ले गए ताकि किसी को चोट के निशान नहीं दिखे। जिसके बाद बुआ फूफा उसे कार में गांव ले गए।

# वकीलों ने उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर मौन जुलूस निकाला

**उदयपुर,** (कासं)।मेवाड़ वागड़ हाईकोर्ट बैंच संघर्ष समिति, जिला हाईकोर्ट बैंच संघर्ष समिति एवं बार एसोसिएशन उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को अधिवक्ताओं ने इस मांग के समर्थन में हाथों में तख्तियां लेकर शहर में मोहन जुलूस निकाला। इसी तरह उदयपुर जिले राजसमंद सहित सभी तहसील हेडक्वार्टर पर भी बार एसोसिएशन की ओर से धरना प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपे गए।

उल्लेखनीय है कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र उदयपुर संभाग मुख्यालय पर पिछले 42 वर्ष से चल रहे हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर आंदोलन अधिवक्ताओं का आंदोलन चल रहा है। इसी आंदोलन के तहत 7 तारीख को मौन जुलूस निकालकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन प्रस्तुत कर मेवाडा वागड के मुख्यालय उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना हेतु सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का किया। अधिवक्ताओं ने जिला कलेक्टर को इस बात से भी अवगत कराया कि हाईकोर्ट बेंच की स्थापना से पहले सरकार को इस मांग की महत्वता समझाते हुए वर्चुअल न्याय पीठ शुरू करने के लिए भी प्रयास करने को कहा गया है। अधिवक्ताओं ने जिला कलेक्टर को बताया कि उडीसा में 19 जिलों में हाईकोर्ट बेंच कर्नाटका में हाईकोर्ट की कई बेंचे होने के समाचारों से भी अवगत कराया ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की जा रही है वर्चुअल हाईकोर्ट बेंच की स्थापना राजस्थान में उदयपुर से शुरू करने के लिए भी प्रयास करने का आग्रह किया है।

जिला कलेक्टर ने प्रतिनिधिमडल को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही 2 या 3 दिन में संभागीय आयुक्त से इस बारे में विस्तार से चर्चा कर अपनी रिपोर्ट के साथ अधिवक्ताओं का मांग पत्र वह मुख्यमंत्री को प्रेषित कर आएंगे इसके अलावा उदयपुर आने पर मुख्यमंत्री से भी इस मांग के समर्थन में अपनी ओर से आग्रह करेंगे।ज्ञापन देने वालों में मेवाड वागड हाई कोर्ट बेंच संघर्ष समिति के संयोजक रमेश नंदवाना, पूर्व बार अध्यक्ष शंभू सिंह राठौड, मनीष शर्मा, भरत वैष्णव हाईकोर्ट बैंच संघर्ष समिति के मीडिया प्रमुख हरीश पालीवाल, जिला स्त्री संघर्ष समिति के संयोजक चेतन पुरी गोस्वामी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश मोगरा, उपाध्यक्ष योगेंद्र दशोरा, महासचिव शिव कुमार उपाध्याय, सचिव चेतन पालीवाल, वित्त सचिव हरीश चयन, पुस्तकालय सचिव राकेश आचार्य, जिला संघर्ष समिति की महिला विंग की सहसंयोजक कांता नागदा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे। इससे पूर्व अधिवक्ताओं ने सुबह जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर के मुख्य द्वार पर एकत्रित होकर अधिवक्ताओं ने अपनी बाहों की कलाई पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

# सीवरेज टैंक में मजदूरों की मौत मामले में कमेटी गठित

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान अर्बन इंफ्राट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत कोटा में डल रही सीवरेज लाइन के दौरान हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई है। इस मामले को लेकर राज्य सरकार ने जयपुर से ही एक कमेटी गठित कर दी है। जिसमें एडिशनल चीफ इंजीनियर की अध्यक्षता में दो अन्य अधिकारियों को लगाया गया है।

इस पूरे मामले पर कोटा जिला कलेक्टर ओपी बुनकर का कहना है कि राज्य कमेटी की रिपोर्ट पर ही आरयूआईडीपी के अफसरों की लापरवाही तय होगी और इसमें आरयूआईडीपी के अफसरों की लापरवाही सामने आने पर उन्हें भी मुकदमे में नामजद किया जाएगा। हादसे में प्रारंभिक तौर पर तो आरयूआईडीपी कंपनी और कांट्रेक्टर दोनों की लापरवाही लग रही है। सेफ्टी मेजर्स मौके पर लेने चाहिए थे। जिनका मजदूर उपयोग करते हैं और कांट्रेक्टर लेबर को मजबूर करते हैं कि उनका उपयोग करके ही नीचे उतरें, ऐसे में यह हादसा नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए हुए हैं कि कोई भी लेबर मेनहोल में बिना सेफ्टी मेजर के नहीं उतरेगा नहीं तो मशीन से ही काम होगा फिर भी यह काम किया गया है। इसीलिए निर्माण कंपनी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करवाई गई है।

एडिशनल चीफ इंजीनियर आरयूआईडीपी आशीष गुप्ता की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी आ गई है और जांच करेगी। यह तय करेंगे कि आरयूआईडीपी के स्टॉफ की लापरवाही है या नहीं। अगर आपराधिक लापरवाही पाई जाती है, तो उनको मुकदमे में नामजद भी किया जाएगा। नेगलिजेंसी होने पर चार्जशीट दी जाएगी।

जिला कलेक्टर बुनकर का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार तीनों मृतकों के परिवारजनों को 10-10 लाख के चेक बतौर मुआवजा सौंपे गए हैं। हम कोशिश करेंगे कि आरयूआईडीपी की तरफ से भी उन्हें राहत मिले। साथ ही उन्हें कोटा से भेजने की व्यवस्था की है। उनके गांव झाबुआ बॉडी भेजी गई है। साथ ही अंतिम संस्कार के लिए भी 20-20 हजार की सहायता दिलाई गई है, उनका अंतिम संस्कार भी बुधवार को हो गया है। कलेक्टर ओपी बुनकर ने माना है कि घटनास्थल मॉस्क और ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं थे। आरयूआईडीपी के नियम यह है कि 2 घंटे पहले चेंबर को खोलकर उसकी गैस निकलने दी जाए। उसके बाद जलती हुई तीली डाल कर चेक किया जाता है लेकिन ऐसा प्रिकॉशन लेबर ने लिया या नहीं यह जांच का विषय है।

## विवाहिता की इलाज के दौरान मौत

**गंगापुर सिटी,** (निसं)। स्थानीय जिला अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती महिला की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई है। महिला के पीहर पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक महिला का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

मृतक महिला के बेटे शुभम ने बताया कि सोमवार को उसकी मां हेमा बाई पत्नी नरेंद्र जोगी के पेट में दर्द हो गया था। इस पर उसकी मां हेमा बाई ने चूर्ण समझकर जहर खा लिया था, जिससे उसे उल्टियां होने लगी और तबीयत बिगड गई। तबीयत बिगडने के बाद मंगलवार को हेमा को परिजनों ने हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया। बुधवार सुबह हेमा ने इलाज के दौरान दम तोड दिया।

महिला की मौत की सूचना पर कुडगांव थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस की सूचना पर मृतक महिला के पीहर पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंचे। पीहर पक्ष के लोगों का आरोप है कि उनकी बेटी हेमा को ससुराल पक्ष के लोगों ने जहर देकर मार दिया है। कुडगांव थाना एएसआई भवानी सिंह ने बताया कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि अभी परिजनों ने मामला दर्ज नहीं करवाया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

# दो कांस्टेबलों की हत्या के मामले में ईनामी बदमाश गिरफ्तार

## जिला पुलिस को मिली सफलता, फायरिंग के आरोपियों को भगाने में की थी मदद

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर संभाग के भीलवाड़ा जिले में 10 अप्रैल 2021 को फायरिंग में हुई दो कांस्टेबल की हत्या के मामले में अजमेर जिला पुलिस ने कार्यवाही करते हुए बुधवार को 25 हजार के ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी ने कांस्टेबल की हत्या के आरोपियों को घटनास्थल से भगाने में मदद की थी। मामले में भीलवाड़ा पुलिस ने पूर्व में कार्यवाही करते हुए 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

मामले का खुलासा करते हुए एडिशनल एसपी सिटी सुशील बिश्नोई ने बताया कि अजमेर संभाग के भीलवाड़ा जिले के कोटडी थाना पुलिस ने 10 अप्रैल 2021 को थाने पर दो पिकअप और स्कॉर्पियो में मादक पदार्थ होने की सूचना मिलने पर नाकाबंदी कर स्कॉर्पियो और पिकअप गाड़ी को रुकवाया, जब पुलिस ने आरोपियों को पकडने का प्रयास किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग में कॉन्स्टेबल औंकार रायका की गोली लगने से इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए रेंज आईजी और अन्य अधिकारी घटना स्थल पहुंचे और भीलवाड़ा व आसपास के जिलों में नाकाबंदी करवाई गई। उसी दिन रात 2 बजे पुलिस थाना रायला की टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान जब एक पिकअप व स्कॉर्पियो को तेज रफ्तार से जाते हुए देखा तो उन्होंने गाड़ी पीछा करना शुरू कर दिया। थाना रायला के पास बदमाशों ने पुलिस टीम प एक बार फिर फायरिंग की गई। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की गई थी। घटना के दौरान रायला थाने के कांस्टेबल पवन कुमार की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस टीम पर फायरिंग करने के बाद बदमाश डोडा पोस्ट से भरी पिकअप छोडकर स्कॉर्पियो में फरार हो गए थे। मामले में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अजमेर रेंज आईजी के निर्देश पर विभिन्न टीमों का गठन कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

पुलिस ने कांस्टेबलों की हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

**आरोपी पर 25 हजार रुपए का ईनाम:-** एडिशनल एसपी सुशील बिश्नोई ने बताया कि रेंज आईजी के निर्देश पर मांगलियावास थाना अधिकारी सुनील ताडा और रामगंज थाना अधिकारी सुरजीत सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबीर तंत्र की सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए चोखा गांव में दबिश देकर मामले में फरार चल रहे 25 हजार के वांछित बदमाश जिला जोधपुर निवासी विक्रम सारण उर्फ विक्की पुत्र खरताराम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने घटनास्थल से सभी आरोपियों को भगाने में सहयोग किया था। आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं चार प्रकरण दर्ज है। एडिशनल एसपी सिटी ने बताया कि पूर्व में 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।